



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3CN21303	ImageGroup:	I3CN21405
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	གསུང་འབུམ། འཇམ་དབྱངས་རྣམ་རྒྱལ་རྒྱལ་མཚོ། gsung 'bum/ 'jam dbyangs rnam rgyal rgya mtsho/
Author:	མི་ཕམ་འཇམ་དབྱངས་རྣམ་རྒྱལ་རྒྱལ་མཚོ། mi pham 'jam dbyangs rnam rgyal rgya mtsho/
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	12
Total Volumes:	18
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 2019



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय श्रीमद्भगवद्गीता अर्जुनसंवादे अर्जुन उवाच धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः मामकाः पाण्डवाश्चैव त्रैलोक्यमहामनाः रणं कुर्वन्तमानिह मया द्रुपद उवाच अर्जुन त्वया दत्तं धर्मं वीर्यवान् अनुष्ठित्वा जयं प्राप्स्यस्य भारत ॥ १ ॥	ॐ नमो भगवते वासुदेवाय श्रीमद्भगवद्गीता अर्जुनसंवादे अर्जुन उवाच धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः मामकाः पाण्डवाश्चैव त्रैलोक्यमहामनाः रणं कुर्वन्तमानिह मया द्रुपद उवाच अर्जुन त्वया दत्तं धर्मं वीर्यवान् अनुष्ठित्वा जयं प्राप्स्यस्य भारत ॥ १ ॥
--	--

[illegible]

[illegible]

[The page contains several lines of handwritten text in Devanagari script, which is mostly illegible due to extreme blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The page contains dense handwritten text in Devanagari script, which is mostly illegible due to extreme blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

10

१०१ ॥ १०२ ॥ १०३ ॥ १०४ ॥ १०५ ॥ १०६ ॥ १०७ ॥ १०८ ॥ १०९ ॥ ११० ॥ १११ ॥ ११२ ॥ ११३ ॥ ११४ ॥ ११५ ॥ ११६ ॥ ११७ ॥ ११८ ॥ ११९ ॥ १२० ॥ १२१ ॥ १२२ ॥ १२३ ॥ १२४ ॥ १२५ ॥ १२६ ॥ १२७ ॥ १२८ ॥ १२९ ॥ १३० ॥ १३१ ॥ १३२ ॥ १३३ ॥ १३४ ॥ १३५ ॥ १३६ ॥ १३७ ॥ १३८ ॥ १३९ ॥ १४० ॥ १४१ ॥ १४२ ॥ १४३ ॥ १४४ ॥ १४५ ॥ १४६ ॥ १४७ ॥ १४८ ॥ १४९ ॥ १५० ॥ १५१ ॥ १५२ ॥ १५३ ॥ १५४ ॥ १५५ ॥ १५६ ॥ १५७ ॥ १५८ ॥ १५९ ॥ १६० ॥ १६१ ॥ १६२ ॥ १६३ ॥ १६४ ॥ १६५ ॥ १६६ ॥ १६७ ॥ १६८ ॥ १६९ ॥ १७० ॥ १७१ ॥ १७२ ॥ १७३ ॥ १७४ ॥ १७५ ॥ १७६ ॥ १७७ ॥ १७८ ॥ १७९ ॥ १८० ॥ १८१ ॥ १८२ ॥ १८३ ॥ १८४ ॥ १८५ ॥ १८६ ॥ १८७ ॥ १८८ ॥ १८९ ॥ १९० ॥ १९१ ॥ १९२ ॥ १९३ ॥ १९४ ॥ १९५ ॥ १९६ ॥ १९७ ॥ १९८ ॥ १९९ ॥ २०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The manuscript page contains dense handwritten text in Devanagari script, which is largely illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a collection of handwritten notes or a manuscript page.]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

100

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of the handwritten manuscript.)

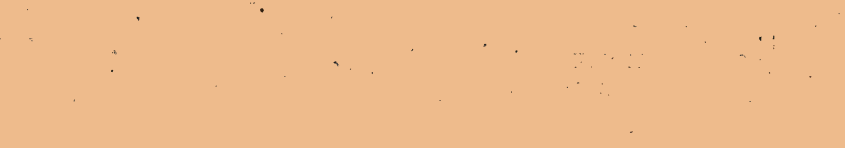
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



১৫

10

12

[illegible]

121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

● 2010年10月10日

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain multiple lines of handwritten or printed script.)

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]

一、
 二、
 三、
 四、
 五、
 六、
 七、
 八、
 九、
 十、

104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553
 554
 555
 556
 557
 558
 559
 560
 561
 562
 563
 564
 565
 566
 567
 568
 569
 570
 571
 572
 573
 574
 575
 576
 577
 578
 579
 580
 581
 582
 583
 584
 585
 586
 587
 588
 589
 590
 591
 592
 593
 594
 595
 596
 597
 598
 599
 600
 601
 602
 603
 604
 605
 606
 607
 608
 609
 610
 611
 612
 613
 614
 615

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553
 554
 555
 556
 557
 558
 559
 560
 561
 562
 563
 564
 565
 566
 567
 568
 569
 570
 571
 572
 573
 574
 575
 576
 577
 578
 579
 580
 581
 582
 583
 584
 585
 586
 587
 588
 589
 590
 591
 592
 593
 594
 595
 596
 597
 598
 599
 600
 601
 602
 603
 604
 605
 606
 607
 608
 609
 610
 611
 612

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥

॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥

॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥

॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥

॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥

॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥

॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥

॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥

॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a single paragraph of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महर्षिणः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुनस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ ४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ ५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ ६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ ७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ ८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ ९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2010年12月10日

[illegible]

प्रेषा सादसः 68 रुसः 122 ससः कद।

201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553
 554
 555
 556
 557
 558
 559
 560
 561
 562
 563
 564
 565
 566
 567
 568
 569
 570
 571
 572
 573
 574
 575
 576
 577
 578
 579
 580
 581
 582
 583
 584
 585
 586
 587
 588
 589
 590
 591
 592
 593
 594
 595
 596
 597
 598
 599
 600
 601
 602
 603
 604
 605
 606
 607
 608
 609
 610
 611
 612
 613
 614
 615
 616
 617
 618
 619
 620
 621
 622
 623
 624
 625
 626
 627
 628
 629
 630
 631
 632
 633
 634
 635
 636
 637
 638
 639
 640
 641
 642
 643
 644
 645
 646
 647
 648
 649
 650
 651
 652
 653
 654
 655
 656
 657
 658
 659
 660
 661
 662
 663
 664
 665
 666
 667
 668
 669
 670
 671
 672
 673
 674
 675
 676
 677
 678
 679
 680
 681
 682
 683
 684
 685
 686
 687
 688
 689
 690
 691
 692
 693
 694
 695
 696
 697
 698
 699
 700
 701
 702
 703
 704
 705
 706
 707
 708
 709
 710
 711
 712

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादः ।
 तत्र श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतानि ॥ द्रुपदो वीर्यवान्
 भीमप्रह्लादाद्यन्तरिक्षधरास्तथा ॥

[illegible]

[illegible]

156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553
 554
 555
 556
 557
 558
 559
 560
 561
 562
 563
 564
 565
 566
 567
 568
 569
 570
 571
 572
 573
 574
 575
 576
 577
 578
 579
 580
 581
 582
 583
 584
 585
 586
 587
 588
 589
 590
 591
 592
 593
 594
 595
 596
 597
 598
 599
 600
 601
 602
 603
 604
 605
 606
 607
 608
 609
 610
 611
 612
 613
 614
 615
 616
 617
 618
 619
 620
 621
 622
 623
 624
 625
 626
 627
 628
 629
 630
 631
 632
 633
 634
 635
 636
 637
 638
 639
 640
 641
 642
 643
 644
 645
 646
 647
 648
 649
 650
 651
 652
 653
 654
 655
 656
 657
 658
 659
 660
 661
 662
 663
 6

250

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

一、

[illegible]

一、
 二、
 三、
 四、
 五、
 六、
 七、
 八、
 九、
 十、

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

४३५
 ४३६
 ४३७
 ४३८
 ४३९
 ४४०
 ४४१
 ४४२
 ४४३
 ४४४
 ४४५
 ४४६
 ४४७
 ४४८
 ४४९
 ४५०
 ४५१
 ४५२
 ४५३
 ४५४
 ४५५
 ४५६
 ४५७
 ४५८
 ४५९
 ४६०
 ४६१
 ४६२
 ४६३
 ४६४
 ४६५
 ४६६
 ४६७
 ४६८
 ४६९
 ४७०
 ४७१
 ४७२
 ४७३
 ४७४
 ४७५
 ४७६
 ४७७
 ४७८
 ४७९
 ४८०
 ४८१
 ४८२
 ४८३
 ४८४
 ४८५
 ४८६
 ४८७
 ४८८
 ४८९
 ४९०
 ४९१
 ४९२
 ४९३
 ४९४
 ४९५
 ४९६
 ४९७
 ४९८
 ४९९
 ५००

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिः प्रवक्ष्यति मे वरदा ॥
 १ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैतानि शूरवीराः संजय ॥
 २ संपन्नौ तिमिराक्षः प्राणायामं करोति ॥ तस्मात्पांडवो ज्ञातुं शक्नुते विनाशं महाबली ॥
 ३ तस्मात्तु त्वं न ब्रूहि मया हितं किंचित् ॥ तस्मात्तु त्वं न ब्रूहि मया हितं किंचित् ॥
 ४ तस्मात्तु त्वं न ब्रूहि मया हितं किंचित् ॥ तस्मात्तु त्वं न ब्रूहि मया हितं किंचित् ॥
 ५ तस्मात्तु त्वं न ब्रूहि मया हितं किंचित् ॥ तस्मात्तु त्वं न ब्रूहि मया हितं किंचित् ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

THE

Chapman

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and largely illegible due to extreme blurring and noise. It appears to consist of several lines of handwritten or printed script in Devanagari script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2004

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि सैन्यानि ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

120000

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a dense Sanskrit manuscript.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

३८५
 ३८६
 ३८७
 ३८८
 ३८९
 ३९०
 ३९१
 ३९२
 ३९३
 ३९४
 ३९५
 ३९६
 ३९७
 ३९८
 ३९९
 ४००

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

7-6089

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

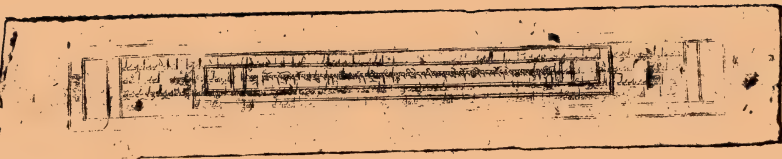
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]





[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



1998

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

३०१

॥ श्रीरवेण्डरस्यकीदृशुदंष्ट्रकवेनयमेव ॥

॥ कलकलौ दीपपत्रेणयस्य ॥ श्रीरवेण्डरस्य ॥

॥ श्रीरवेण्डरस्य ॥ श्रीरवेण्डरस्य ॥ श्रीरवेण्डरस्य ॥

॥ श्रीरवेण्डरस्य ॥ श्रीरवेण्डरस्य ॥ श्रीरवेण्डरस्य ॥

॥ श्रीरवेण्डरस्य ॥ श्रीरवेण्डरस्य ॥ श्रीरवेण्डरस्य ॥

॥ श्रीरवेण्डरस्य ॥ श्रीरवेण्डरस्य ॥ श्रीरवेण्डरस्य ॥

॥ श्रीरवेण्डरस्य ॥ श्रीरवेण्डरस्य ॥ श्रीरवेण्डरस्य ॥

॥ श्रीरवेण्डरस्य ॥ श्रीरवेण्डरस्य ॥ श्रीरवेण्डरस्य ॥

[illegible]

[illegible]
$$-\frac{1}{2} \ln \left(\frac{1}{2} \right) - \frac{1}{2} \ln \left(\frac{1}{2} \right) = -\ln \left(\frac{1}{2} \right) = \ln 2$$

2014年12月15日

1. *Phragmites australis* (Cav.) Trin. ex Steud.

[illegible]

७३ ...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अर्जुन उवाच । पाशेभ्यः प्रमुखात् ।
 त्वं मे वदस्व शिरोधार्यम् ।
 कुरुष्वैतन्मया कृतम् ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैव ।
 तत्र स्थित इति ह्यर्थः ।



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

4

॥ अथ भद्रं कर्णेभिः शृणुयाम् भगवत्पादौ स्पर्शमकरेण च ।
॥ नमस्कृत्यार्चयेद्भगवन्मूर्तिमुपासीत ॥

[illegible]

Figure 1

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तत्र ॥
द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत सजीव ॥

[illegible]

99

[illegible]

100

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७७५
 ७७६
 ७७७
 ७७८
 ७७९
 ७८०
 ७८१
 ७८२
 ७८३
 ७८४
 ७८५
 ७८६
 ७८७
 ७८८
 ७८९
 ७९०
 ७९१
 ७९२
 ७९३
 ७९४
 ७९५
 ७९६
 ७९७
 ७९८
 ७९९
 ८००
 ८०१
 ८०२
 ८०३
 ८०४
 ८०५
 ८०६
 ८०७
 ८०८
 ८०९
 ८१०
 ८११
 ८१२
 ८१३
 ८१४
 ८१५
 ८१६
 ८१७
 ८१८
 ८१९
 ८२०
 ८२१
 ८२२
 ८२३
 ८२४
 ८२५
 ८२६
 ८२७
 ८२८
 ८२९
 ८३०
 ८३१
 ८३२
 ८३३
 ८३४
 ८३५
 ८३६
 ८३७
 ८३८
 ८३९
 ८४०
 ८४१
 ८४२
 ८४३
 ८४४
 ८४५
 ८४६
 ८४७
 ८४८
 ८४९
 ८५०
 ८५१
 ८५२
 ८५३
 ८५४
 ८५५
 ८५६
 ८५७
 ८५८
 ८५९
 ८६०
 ८६१
 ८६२
 ८६३
 ८६४
 ८६५
 ८६६
 ८६७
 ८६८
 ८६९
 ८७०
 ८७१
 ८७२
 ८७३
 ८७४
 ८७५
 ८७६
 ८७७
 ८७८
 ८७९
 ८८०
 ८८१
 ८८२
 ८८३
 ८८४
 ८८५
 ८८६
 ८८७
 ८८८
 ८८९
 ८९०
 ८९१
 ८९२
 ८९३
 ८९४
 ८९५
 ८९६
 ८९७
 ८९८
 ८९९
 ९००
 ९०१
 ९०२
 ९०३
 ९०४
 ९०५
 ९०६
 ९०७
 ९०८
 ९०९
 ९१०
 ९११
 ९१२
 ९१३
 ९१४
 ९१५
 ९१६
 ९१७
 ९१८
 ९१९
 ९२०
 ९२१
 ९२२
 ९२३
 ९२४
 ९२५
 ९२६
 ९२७
 ९२८
 ९२९
 ९३०
 ९३१
 ९३२
 ९३३
 ९३४
 ९३५
 ९३६
 ९३७
 ९३८
 ९३९
 ९४०
 ९४१
 ९४२
 ९४३
 ९४४
 ९४५
 ९४६
 ९४७
 ९४८
 ९४९
 ९५०
 ९५१
 ९५२
 ९५३
 ९५४
 ९५५
 ९५६
 ९५७
 ९५८
 ९५९
 ९६०
 ९६१
 ९६२
 ९६३
 ९६४
 ९६५
 ९६६
 ९६७
 ९६८
 ९६९
 ९७०
 ९७१
 ९७२
 ९७३
 ९७४
 ९७५
 ९७६
 ९७७
 ९७८
 ९७९
 ९८०
 ९८१
 ९८२
 ९८३
 ९८४
 ९८५
 ९८६
 ९८७
 ९८८
 ९८९
 ९९०
 ९९१
 ९९२
 ९९३
 ९९४
 ९९५
 ९९६
 ९९७
 ९९८
 ९९९
 १०००

[illegible]

Vertical text on the left margin, likely a page or section identifier.

Handwritten text in a historical script, possibly Tibetan or Sanskrit, enclosed within a rectangular border. The text is arranged in approximately six horizontal lines. The script is dense and characteristic of historical East Asian or South Asian manuscripts. The first line begins with a small, distinct symbol or character. The text continues across the lines, with some characters appearing to be larger or more prominent than others, possibly indicating specific terms or emphasis. The overall appearance is that of a formal document or a page from a larger work.

Vertical text on the right margin, likely a page or section identifier.

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

Handwritten text in a historical script, likely Tibetan, enclosed within a rectangular border. The text is arranged in approximately six horizontal lines. The script is dense and characteristic of traditional East Asian writing.

Handwritten marginal notes on the right side of the page.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]